“"Witness"”

“साक्षी”

Matthew 5:10-16

मत्ती ५ : १०-१६

April 24, 2016
अप्रैल २४, २०१६

Theme: We are called to be a witness at work – and by our work.

विषय : हमे साक्षी बन्ने के लिए कहा गया है - वह हमारा काम है जो हम अपने काम पर कर सकते है !

Question: What must we believe to make our witness effective?

प्रश्न - हमारी साक्षी असरकारक हो इसके लिए हमे क्या मनना चाहिए?

1. Promises over Problems
   परेशानी से ऊपर वचन

    a. Problems are real (v10)
       समस्याए होना वह वास्तविक है (व10)

    b. Promises are more real (v10-12)
       वचन और भी वास्तविक है ! (व10- १२)

        i. Blessings (v10-11)
           आशीर्वाद (व10-११)

        ii. Kingdom (v10b+12)
            राज्य (व् १०ब +12)

        iii. Good Company (v12c)
             अच्छी संगती (व् १२ च)

2. Influence over Dominance
   प्रभुत्व ऊपर प्रभाव

    a. Salt (v13)
       नमक (व् १३)

    b. Light (v14-15)
       प्रकाश (व् 14-१५)

3. Words and Works Glorify God
   शब्द और काम परमेश्वर को महिमा दे !

    a. Our Words (v14)
       हमारे शब्द (व् १४)

    b. Our Works (v16)
       हमारे काम (व् १६)

Conclusion: Our work is a witness to God's character and care.

निष्कर्ष : हमारा काम परमेश्वर के चरित्र और परवरिश की साक्षी देता है